

उपोदिका। कालश्राकम्। लघुनम्। दाडि-
मम्। विकङ्कतम्। प्राचीनामलकम्। पथ्या।
कपित्थम्। नागकेशरम्। गोष्ठाग्नरम्भानि।
तक्रम्। शीताम्बु। शर्करा। अनिदाहीन्य-
त्रानि। सैन्धवम्। मधु। कुङ्कुमम्। पश्चिमो-
त्तरवातः। हरिद्रा। सितचन्दनम्। सुस्तम्।
शिरीषः। कस्तूरी। तिक्तानि। मधुराणि।
हेमचूषम् ॥ ॥

विषरोगे अपथ्यम्।

क्रोधः। विरुद्धाशनम्। अथ्यशनम्। अवायः।
ताम्बूलम्। आयासः। प्रवातः। सर्वाङ्गम्।
सर्वलवणम्। नानाविधसंस्तेदनम्। निद्रा।
भयम्। धूमविधिः। क्षुधा ॥ ॥

अथ रोगसङ्करे पथ्यम्।

एषां गदानां यदि सङ्करः स्था-
तत्र प्रयत्नेन भिषजमनीषी।
उक्तेषु पथ्येषु विरोधि यद्य-
त्तत् प्रयुज्यते चिकित्सितेषु ॥ ॥

रोगसङ्करे अपथ्यम्।

अपथ्यानि च सर्वाणि तत्तद्भोगोचितानि च।
रग्वलावलविदेदो वर्जयेद्वाधिसङ्करे ॥ ॥

अथ वातिकरोगे पथ्यम्।

अभ्यङ्गः। परिमर्दनम्। श्मनम्। संक्षेहनम्।
हंशनम्। ज्वेहः। स्तेदनम्। आसना। शय-
नम्। संवाहनम्। वस्तिः। नखम्। प्राव-
रणम्। समीरणपरित्यागः। अवगाहः। शिरो-
वस्तिः। विस्मरणम्। दिवाकरकरः। स्नानम्।
विस्मापनम्। तैलद्रोणी। सरसता। गाढोप-
नाहः। सुरा। भूशय्या। सुखशीलता। खा-
ड्वा रसाः। मज्जा। तैलम्। वसा। घृतम्।
नवमाषः। कुलत्थः। तिलः। गोधूमः। सुन्नः।
कलमः। शालिः। घटिका। पेया। धान्य-
जलम्। पयः। क्षयरः। मस्तुः। सुखीष्णो-
दकम्। गोमूत्रम्। नलदासु। दधि। पयः-
पेटी। यवः। कूर्चिका। आनूपाः। रुखड्गि-
कोलमहिवाः। रणः। धनोद्भवाः। सर्पटि-
लकवाकुतितिरिङ्गुलिङ्गाः। कुम्भीरः। तिमि-
ङ्गिलः। मकरः। गङ्गपदः। कच्छपः। रोहित-
मतस्यः। वर्मिः। मद्गुरः। चिलिन्धः। यरङ्गः।
शङ्खी। इक्षिप्रः। प्राडी। गर्गरः। पर्वतः।
अन्ये जलजन्तवः। वार्त्ताङ्गः। कुलकम्। शिशुः।
लघुनम्। दाक्षा। आम्बम्। आम्बातकम्।
घात्री। दाडिमम्। अन्धवेतसफलम्। कोलम्।
कपित्थम्। शिवा। प्रकतालम्। वकुलम्।
गोकण्टकः। वास्तूकम्। सुस्नाची। गणिका।
सरसा। मन्दारपत्रम्। ताम्बूलम्। सित-
शर्करा। लवणः। लोघः। तुल्यः। अगुहः।
श्रीवानः। सुरदारु। गुग्गुलुः। अथाङ्गः।
कुङ्कुमम्। क्षिप्योष्णविधिः। सख्यैतं हेम-
रजनं सौमकम्। आलुम्पाटनमक्षिकापुत्राणां
विशाला माला ॥ ॥

वातिकरोगे अपथ्यम्।

चिन्ता। जागरणम्। अखड्मोक्षः। वमिः।
लङ्घनम्। आयासः। गजवाजिवाहनविधिः।
सन्धारणम्। मैथुनम्। आघातः। अपतर्प-
णम्। प्रपतनम्। धातुचयः। चोभणम्।
शोकः। चक्रमणम्। विरुद्धाशनम्। सन्ध-
सुक्तक्रमः। हृल्लम्। जलदागमः। रजनी-
शेषः। अपराहः। भयम्। रुच्योष्णविधिः।
लित्तकटुकचारातिशीतानामशनम्। हण-
धान्यम्। उद्रिका। आफ़की। कङ्कः। उद्दालः।
सुकुष्ठकः। कोद्रवः। यवः। श्यामाकः। ज्यू-
दयः। शिम्बी। जम्बु। राजमाषः। चणकः।
सुन्नः। कुलत्थः। विषम्। शालूकम्। क्रसुकम्।
कशेरु। तलकम्। कटिलकम्। तिन्दुकम्।
कर्कोटम्। नवतालशस्यम्। तालास्थिमज्जा।
नदीतडागजलम्। करका। निवारवीजम्।
प्रियाकः। शिशिरासु। रासभयः। पत्र-
श्राकम्। चिट्ठु। भूनिम्बम्। कटुका। करी-
रम्। अखिलशुष्कामिषम्। मालिकम्। धूमः।
वह्नमस्तु। रजः। परिभवः। खट्वा ॥ ॥

अथ पैत्तिके पथ्यम्।

सर्पिःपानविधिः। विरेचनम्। अखड्मोक्षः।
सितशालिः। गोधूमः। आफ़किः। धान्यकम्।
चणकः। सुन्नः। मखरः। यवः। पर्युषित-
मखः। पयः। पयःपेटी। वरा। मालिकम्।
लाजाः। धन्वरसः। हृतानि। सिता। शीतो-
दकम्। उद्भिहः। कर्कोटम्। कदलम्। कण्टकि-
फलम्। वेचायम्। आषाफ़कम्। गृद्धीका।
कोमलकुलकम्। कुष्माण्डम्। इज्जारुः। तुम्बी।
पर्यटकः। अल्पमारिषदलम्। कटिलकम्।
दाडिमम्। घात्री। कोमलतालशस्यम्।
अभया। खर्जूरम्। औद्भुवरम्। विश्वम्।
कषायः। तिक्तः। मधुरः। मधूकम्। वरी।
कांस्थम्। अयः। रजतम्। हेम। कटुका।
निम्बः। चिट्ठु। चन्दनम्। हर्म्यम्। भूमि-
यहम्। सुशीतलवनम्। धारायहम्। चन्द्रिका।
रम्भाभोरुहणपत्रशयनम्। शीतः। प्रदेहाः।
भूशय्या। मणिः। प्रदोषसमयः। गीतम्।
प्रियालिङ्गनम्। ज्ञानम्। मित्रसमागमः।
प्रियकथा। मन्दानिलः। अभ्युचयम्। वादिज-
अवणम्। मनोरमततरभावाः। सुलाख्येचयम्।
पुन्नागोत्पलपाटलाजसुभनः। कङ्कारपुत्राणि।
कर्परम्। प्रनीरनौरम्। शीतक्रिया ॥ ॥

पैत्तिके अपथ्यम्।

धूमः। स्तेदनम्। आतपः। निधुवनम्। सन्धा-
रणम्। क्रोधः। चारः। अष्वा। गजवाजि-
वाहनविधिः। तीक्ष्णकर्मे। आयासः। अन्न-
विदाहकारिसमयः। यौष्मः। विरुद्धाशनम्।
मथ्याङ्गः। जलदावयः। रजनीमधम्। मध्य-
वयः। व्रीहिः। वेणुफलम्। तिलः। लघुनम्।
माषः। कुलत्थः। गुङ्गः। निष्पावः। महिरा।
अतसी। प्रदीपनम्। धान्याङ्गम्। उष्णोदकम्।

जम्बीरम्। नलदासु। हिङ्गु। लङ्घनम्।
मूत्रम्। भक्तातकम्। ताम्बूलम्। दधि। सधैपः।
वदरम्। तैलाशनम्। तिन्तिङ्गी। कटु। अम्बम्।
लवणम्। विदाहि ॥ ॥

अथ वैशिके पथ्यम्।

हृदिः। लङ्घनम्। अङ्गनम्। निधुवनम्।
प्रोद्घर्शनम्। स्तेदनम्। चिन्ता। जागरणम्।
अमः। अतिगमनम्। हृद् वेगधारणम्। गङ्गुयः।
प्रतिसारणम्। प्रधमनम्। हृदयस्थानम्।
धूमः। प्रावरणम्। निधुवनम्। अतिवंचोभः।
नखम्। भयम्। रुच्योष्णविधिः। पुरातन-
शालिः। घटिका। निष्पावः। हणधान्यम्।
चणकः। सुन्नः। कुलत्थरसः। चारः। सधैप-
तैलम्। उष्णजलम्। धन्वामिषम्। राजिका।
वेचायम्। कुलकम्। कटिलकम्। वार्त्ताङ्गः।
औद्भुवरम्। कर्कोटम्। लघुनम्। मोक्षकु-
मम्। शक्राशनम्। मूरणः। निम्बम्। मूलक-
पोतिका। वरुणः। तिक्ता। चिट्ठु। माक्षि-
कम्। ताम्बूलम्। नलदासु। जौयमहिरा।
योधम्। वरा। गोजलम्। लाजाः। सुष्ट-
तकुलभवम्। तिक्तम्। सुखीष्णालयः। कांस्थम्।
अयः। अङ्गनम्। मौक्तिकम्। कटुः। कषाय-
रसः ॥ ॥

वैशिके अपथ्यम्।

स्तेहः। अभ्यङ्गनम्। आसनम्। अहि शय-
नम्। ज्ञानम्। विरुद्धाशनम्। पूष्वाङ्गः।
शिशिरः। वसन्तसमयः। रात्र्यादिः। आद्य-
वयः। सुक्तमात्रसमयः। अन्नपानकरणम्।
माषः। नवतण्डुलः। मत्स्यः। मांसम्। हृ-
विक्रतिः। दुग्धविक्रतिः। तालास्थिमज्जा।
द्रवः। पेया। भयम्। उपोदिका। पनसम्।
कृन्नाकम्। आषाफ़कम्। खर्जूरम्। अशु-
जीवनम्। पयःपेटी। पयः। पायसः। खाडु।
अम्बम्। लवणम्। गुरुणि। तुङ्गिन्म। सन्तर्प-
णम् ॥ ॥

अथ वसन्तर्तौ पथ्यम्।

वमनम्। अवायः। आयासः। भेदः। भ्रमणम्।
अभिसेवा। कटुः। तिक्तः। विदाहि। तीक्ष्णम्।
कषायः। मध्वोदनम् ॥ ॥

वसन्तर्तावपथ्यम्।

दिवानिद्रा। सन्तर्पणम्। आलस्यम्। सुधासु-
सेवा। पिण्डालुकम्। खाडु। गुरुदकात्रम्।
पिष्टम्। दधि। ज्वीरम्। घृतम् ॥ ॥

अथ यौष्मर्तौ पथ्यम्।

चन्दनम्। शीतवातः। क्षाया। अम्बु। कक्षा-
शयनम्। प्रच्छनम्। सद्यः। पयोभावितशीतभक्तम्।
विश्लिष्टद्रवम्। प्रियभोजनम् ॥ ॥

यौष्मर्तावपथ्यम्।

कटु। तिक्तम्। उष्णम्। चारम्। अम्बम्।
रौद्रम्। भ्रमणम्। अभिसेवा। उन्निद्रता।
भास्करतप्ततीयज्ञानम्। अतिपानम्। दधि।
तक्रम्। तैलम् ॥ ॥